हैकाथॉन : स्कूल ऑफ डेटा साइंस एंड फॉरकास्टिंग विभाग की पहल

युवाओं ने सीखी कोडिंग, कंपनियों की समस्याओं को इनोवेशन से करेंगे हल

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

इंदौर. कई बार छोटी-छोटी समस्याएं बड़ी कंपनियों के काम में रुकावट बन जाती है। यह समस्याएं हमारे डेली रूटीन से जुड़ी होती है, लेकिन इनका समाधान कंपनियों को नहीं मिलता। ऐसी ही कुछ समस्याओं के समाधान के लिए डीएवीवी के डेटा साइंस एंड फॉरकास्टिंग विभाग के स्टूडेंट्स ने हैकाथॉन का आयोजन किया। इसमें देशभर के स्टूडेंट्स शामिल हुए, जो कोडिंग कर कंपनियों की ऐसी ही समस्याओं का समाधान करेंगे। खास बात यह है कि यह हैकाथॉन लगातार 36 घंटे तक चलेगी।

विभागाध्यक्ष डॉ. वीपी गुप्ता ने बताया कि 'टेकहंटर्स' टीम ने फ्रैशर्स और स्टूडेंट्स को मौका देने के लिए हैकाथॉन का आयोजन किया है। हैकाथॉन के लिए 2500 रजिस्ट्रेशन हुए थे, जिनमें से 200 स्टूडेंट्स को सिलेक्ट किया है। विशेषज्ञों और क्रिएटिव नवाचारकों को एक छत के नीचे लाने की कोशिश की है। इसमें एआइ व मशीन लर्निंग, ब्लॉकचेन, आइओटी व एम्बेडेड सिस्टम, एआर/वीआर, क्लाउड और डेवऑप्स और बड़े पैमाने पर तकनीकी अन्वेषण के लिए ओपन ट्रैक शामिल हैं।

इंटरनेशनल कंपनियों ने मांगी मदद

डेटा साइंस एंड फॉरकास्टिंग के स्टूडेंट विनायक गवरिया ने बताया कि मैंने देश के विभिन्न हिस्सों में हैकाथॉन में भाग लिया है। इससे स्टूडेंट्स को नया एक्सपीरियंस मिलता है और कॉन्फिडेंस भी बढ़ता है। हमने कंपनियों से बात कर उनकी समस्याएं समझी। कई इंटरनेशनल कंपनियों ने भी हमसे मदद मांगी। अब इस हैकाथॉन में शामिल स्टूडेंट्स लगातार 36 घंटे कोडिंग कर वेबसाइट, ऐप, ब्लॉकचेन जैसे अलग-अलग माध्यम से समस्या का समाधान देंगे। हमारे साथ मेंटर्स भी मौजूद है, जो इनकी मदद कर रहे हैं।

इन पर हो रहा काम

- बेसिक रूट प्लानर
- व्हीकल हॉटस्पॉट जोन
- फयूल ड्रिप इंडिकेशन
- दृष्टिहीन विद्यार्थियों के लिए एआइ आधारित एजुकेशन सिस्टम
- विद्यार्थियों के लिए जॉब बोर्ड
- गूगल मीट समराइजर
- कृषि के लिए नए इनोवेशन